पर तरफा [illegible] जाता है) [illegible]
5 व 6 के प्रा.पत्र दि 25.11.13 अन्तर्गत
शामिल है प्रा-पत्र O 1 R 10 CPC के जवाब
हेतु वादी वकील द्वारा चाहते हैं) पत्रावली दिनांक
11.3.14 को पेश हो

2/14 पत्रावली पेश हुई अधिवक्ता
द्वारा प्रारम्भिक कार्य स्थगित
रखा गया। [illegible] वास्ते
जवाब पत्रावली दि० 6/3/14
को पेश हो।

28/3/14 पत्रावली वकील वादी को
प्रार्थना पत्र order 23 Rule
1, 3 [बी] पर प्रस्तुत हुई।
वादी स्वयं उपस्थित है। प्रार्थना
पत्र पर वादी एवं वकील वादी
को सुना गया। वादी की
पहचान श्री सुरेन्द्र सिंह शेखावत
विद्वान अधिवक्ता द्वारा की
गई। वादी अपने स्वत्व
सुरक्षित रखते हुये। वाद को

नमस्कार? Identified by me
Omkar [illegible] Adv.

[P.T.O]

विड्रा करना चाहता है वकील
वादी एवं वादी दोनों ने ही
वाद वादी विड्रा करने की
सहमति जताई है। प्रकरण में
वादी आगे की कार्यवाही
नहीं चाहते हैं।

अतः प्रकरण में अग्रिम
कार्यवाही अपेक्षित नहीं होने
से वादी को वाद विड्रा किये
जाने की अनुमति दी जाती
है।

प्रकरण इसी स्तर पर
फैसला शुमार किया जावे
कार्यवाही बाद तामील तकमील
व तामील प्रविष्ट रिकॉर्ड
भण्डार हो।